श्रमण १९९० ०७ (फोल्डर नं. ०२५००३)

सम्पादक - डॉ. सागरमल जैन

सह सम्पादक – डॉ. शिवप्रसाद

मुख्य टाइटल

अनुक्रमणिका

जैन परम्परा का ऐतिहासिक विश्लेषण – प्रो. सागरमल जैन ---------- १
सत् का स्वरूप – अनेकान्तवाद और व्यवहारवाद की दृष्टि से – डॉ. राजेन्द्रकुमार सिंह ---------- १७
भारतीय राजनीति में जैन संस्कृति का योगदान – इन्द्रेश चंद्र सिंह ---------- २७
आचार्य हरिभद्र का योग दर्शन – धनंजय मिश्र ---------- ३५
सिया and असिया Two Prakrit Forms Pischel on Them – Dinanath Sharma---------- 79
भट्ट अलंककृत लघीयस्त्रय – एक दार्शनिक अध्ययन – हेमन्तकुमार जैन ---------- ८३
विद्याश्रम समाचार ---------- ९१

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org